ICAR-CRIJAF organized Training-cum-Field Demonstration on "Improved Retting Technology for Quality Jute Fibre Production" at Habra-I block, North 24 Parganas under SCSP

ICAR-CRIJAF, Barrackpore organized Training-cum-Field Demonstration programme on **'Improved Retting Technology for Quality Jute Fibre Production**' on 12 August, 2024 for the scheduled caste farmers of Habra-I block, North 24 Parganas district under Scheduled Caste Sub Plan (SCSP). A total of 50 farmers from Kumra village of North 24 Parganas district participated in the programme. During the programme, the farmers were taught about various aspects of improved retting technologies of jute with special emphasis on the importance of improved retting of jute by CRIJAF SONA, its detailed procedure, disadvantages of traditional retting practices, and the grading of fibre quality for getting good price from sale of fibre. The farmers were highly enthusiastic about the training/ demonstration and actively interacted with the resource persons regarding the problems faced by them in jute retting. The jute farmers were also provided CRIJAF SONA powder for retting purpose. Field demonstrations were conducted in nearby ponds of the village following farmer's participatory approach. The programme was organized by Dr. Gouranga Kar (Convenor) and Dr. R.K. Naik, Dr. Shamna, A, and Dr Ritesh Saha (Co-ordinators).

अनुसूचित जाति उपयोजना (SCSP) के तहत उत्तर 24 परगना के हाबरा-I ब्लॉक में "गुणवत्तापूर्ण पटसन रेशा उत्पादन के लिए उन्नत पचन प्रौद्योगिकी" पर प्रशिक्षण- एवं-क्षेत्र प्रदर्शन

भा कृ अनु प - केंद्रीय पटसन एवं समबर्गीय रेशा अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर द्वारा 12 अगस्त, 2024 को अनुसूचित जाति उप योजना (SCSP) के तहत उत्तर 24 परगना जिले के हाबरा-I ब्लॉक के अनुसूचित जाति के किसानों के लिए **'गुणवत्तापूर्ण पटसन रेशा उत्पादन के लिए उन्नत पचन प्रौद्योगिकी'** पर प्रशिक्षण- एवं -क्षेत्र प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उत्तर 24 परगना जिले के कुमरा गांव के कुल 50 किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान, किसानों को पटसन की उन्नत पचन तकनीकों के विभिन्न पहलुओं के बारे में सिखाया गया, जिसमें क्रिजाफ सोना द्वारा पटसन की उन्नत पचन के महत्व, इसकी विस्तृत प्रक्रिया, पारंपरिक रीटिंग प्रथाओं के नुकसान और रेशा की बिक्री से अच्छी कीमत प्राप्त करने के लिए रेशा की गुणवत्ता की ग्रेडिंग पर विशेष जोर दिया गया। किसानों को उन्नत पचन प्रौद्योगिकी के उद्देश्य से क्रिजाफ सोना पाउडर भी उपलब्ध कराया गया। इस प्रशिक्षण/प्रदर्शन को लेकर बेहद उत्साहित थे। किसानों की भागीदारी के दृष्टिकोण के अनुसार गांव के आस-पास के तालाबों में पटसन के उन्नत पचन प्रौद्योगिकी पर क्षेत्र प्रदर्शन आयोजित किए गए। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. गौरांग कर (संयोजक) और डॉ. आर.के. नायक, डॉ. शामना, ए और डॉ. रितेश साहा (समन्वयक) द्वारा किया गया।

vivo Y100A

vivo Y100A

vivo Y100A

vivo Y100A

vivo Y100A

vivo Y100A